SSC GD 2025
STAFF SELECTION COMMISSION
कर्मचारी चयन आयोग
ROJGAR WITH ANKIT
अवसर बैच
हिंदी
मुहावरे एवं लोकोक्ति
Part -2
LIVE 10-06-2024 06:00 PM

1. अंतर के पट खोलना - विवेक से काम लेना।

2. छक्के छुड़ाना - हारना

3. पौ बारह होना - लाभ ही लाभ होना

4. जौहर खुलना - भेद का पता लगना

5. अंगूठी का नग होना - बहुत कीमती

6. समुद्र मंथन करना - कठोर परिश्रम करना

7. तीर मारना - बड़ा काम करना

8. नौ-दो ग्यारह होना - रफू चक्कर होना | भाग जाना

9. सिर आँखों पर बिठाना - हृदय से सेवा सत्कार करना

10. आकाश से बातें करना - बहुत ऊँचा होना

11. बाँसों उछलना - प्रसन्न होना | खुशी होना

12. भाड़ झोंकना - व्यर्थ समय नष्ट करना

13. लंगोटी में फाग खेलना - दरिद्रता में आनंद मनाना

14. ऐसी-तैसी करना - दुर्दशा करना / उसकी औकात दिखाना

15. एड़ी चोटी का जोर लगाना - बहुत परिश्रम करना / बहुत मेहनत करना / कठोर परिश्रम करना

16. लुटिया डूब जाना - पूर्णतः हार जाना / योजना बिगड़ना

17. दाँतों तले उँगली दबाना - हैरान होना / आश्चर्य चकित होना

18. अंधेरी नगरी - अन्याय की जगह / न्याय न मिलने वाला स्थान

19. अँगूठा दिखाना - इंकार करना साफ मना करना

20. खून पानी होना - कोई असर न होना

21. माथा ठनकना (अनहोनी होना), - अनिष्ट की आशंका होना कुछ गलत होने का संकेत

22. ईमान बेचना - अपने कर्तव्य से हट जाना

23. रस्सी का साँप बनाना - बात का बतंगड़ बनाना। / झूठी बात को सच ठहराना

24. सिर मुँडाते ही ओले पड़ना - शुरू में ही विघ्न पड़ना। मेहनत बेकार जाना

25. अंगूठा दिखाना दिखाना – इनकार करना

26. अंधे की लकड़ी होना - एकमात्र सहारा

27. अंधे के हाथ बटेर लगना - अनायास ही मिलना अयोग्य को सरकारी नौकरी मिलना

28. आँख मूँदना - मर जाना / अनदेखी करना

29. उंगली पर नचाना - वश में रखना अपने अनुसार रखना

30. उड़ती चिड़िया पहचानना - दूरदर्शी होना / अनुभवी होना

SSC GD 2025 हिंदी अवसर बैच

31. ओले पड़ना - विपत्ति आना।

32. कूपमण्डूक होना - सीमित ज्ञान

33. काँटा दूर होना - बाधा दूर होना

34. कालिख पोतना - बदनामी करना

35. कंगाली में आटा गीला होना - अभाव में और भी अभाव होना

36. गागर में सागर भरना - थोड़े में बहुत कुछ कहना

37. चोली दामन का साथ होना - अत्यन्त निकटता / गहरी दोस्ती

38. चिराग तले अंधेरा होना - अपना दोष स्वयं दिखाई नहीं देता

39. चेहरे पर हवाइयाँ उड़ना - आश्चर्य होना सहम जाना

40. घाट, घाट का पानी पीना - बहुत अनुभव प्राप्त करना बहुत बड़ा जानकार

41. जूतियों में दाल बाँटना - अनबन होना

42. नाक में नकेल डालना - वश में करना

43. फट पड़ना - एक दम गुस्से में हो जाना

44. भैंस के आगे बीन बजाना - बेसमझ आदमी को उपदेश देना

45. भगीरथ प्रयत्न करना - अथक परिश्रम

46. मुट्ठी गरम करना - रिश्वत देना

47. श्री गणेश करना - कार्य आरम्भ करना

48. सब्ज बाग दिखाना - लालच देकर बहकाना

49. अंगूठा चूमना – खुशामद करना, चापलूसी करना

50. कौड़ी को न पूछना - निकम्मा होना (नकारा होना)

51. तालु में जीभ न लगना - चुप न रहना

52. हाथ पीले करना - विवाह करना (शादी करना)

53. सारा काम रुक जाना (बना काम बिगाड़ देना) - गुड़ गोबर करना

54. तूती बोलना - किसी भी क्षेत्र में अमिट प्रभाव छोड़ना

55. तेली का बैल होना - बुरी तरह काम में लगे रहना

56. न उधो का लेना न माधो को देना - अपने काम से काम

57. कान फूँकना - दीक्षित करना

58. ईद का चाँद होना - बहुत दिनों बाद दिखाई देना

59. घाट घाट का पानी पीना - बहुत अनुभवी होना

60. आँख का नीर ढल जाना - निर्लज्ज हो जाना

61. तोते की तरह आँखे फेरना - पुराने सम्बन्धों को एकदम भुला देना

62. मखमली जूते मारना - मीठी बातों से लज्जित करना

63. हथेली पर सरसों जमाना - काम इतनी जल्दी नहीं हो जाता

64. दाम लगाना - मूल्य आँकना

65. कच्चे घड़े से पानी भरना - ठीक ढंग से काम न करना

66. चाँदी का ऐनक लगाना - किसी न किसी प्रकार प्रतिष्ठा बनाए रखना

67. दिन को दिन रात को रात न समझना - कोई बड़ा काम करते समय अपने सुख आराम का कुछ भी ध्यान न रखना

68. रीढ़ टूटना - निराश हो जाना

69. सुबह शाम करना - टाल मटोल करना

70. हाथ ऊँचा होना - दान आदि के लिए मन में उदारता का भाव होना

71. डंके की चोट पर कहना - सबके सामने घोषित करना

72. तीन तेरह होना	-	तितर बितर होना
73. अंग-अंग ढीला होना	-	शिथिल होना (थक जाना)
74. कलेजा होना	-	हिम्मत होना
75. सिर उठाना	-	विरोध में आना